वी.यू. अंतर्गत फार्मर फर्स्ट परियोजना के माध्यम से कड़कनाथ पालन तकनीकी हस्तांतरण द्वारा पशुपालकों के आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

जबलपुर। आज दिनांक 8 सितम्बर 2021 को माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन से विगत पाँच वर्षों से संचालित फार्मर फर्स्ट परियोजना के उद्देश्यों के अनुरूप एकीकृत कृषि प्रणाली अंतर्गत अंगीकृत ग्रामों क्रमशः पड़रिया, सिलुआ, छत्तरपुर, देवरी, कैलवास एवं घाना के 12 पशुपालक स्व-सहायता समूहों को म.प्र. की मूल नस्ल कड़कनाथ के 6-8 सप्ताह आयु के 240 कड़कनाथ चूजों का प्रति व्यक्ति 16 मादा एवं 04 नर चूजों का वितरण प्रति समूह क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में **"कड़कनाथ पालन तकनीकी हस्तातरंण कार्यक्रम"** सोशल डिस्टेंशिंग से सम्पन्न हुआ। जिसके माध्यम से प्रदेश की कड़कनाथ नस्ल के मुर्गे-मुर्गीयों का संरक्षण व संर्वधन तो होगा ही, साथ ही उत्तम एवं पौष्टिक अंडा एवं औषधीय गुणवत्ता के माँस उत्पादन होगा, जिसके परिणामस्वरूप पशुपालकों के स्वास्थ्य सुधार, आय वृद्धि के साथ-साथ वे सामाजिक व आर्थिक स्तर पर आत्मनिर्भर हो सकेंगे।

इस कार्यक्रम में फार्मर फर्स्ट परियोजना के डॉ. अनिल कुमार गौर, पूर्व प्रमुख अन्वेषक एवं इस परियोजना की नवगठित टीम के नामित वैज्ञानिकों में डॉ. हरि आर, प्रमुख अन्वेषक, डॉ. रूचि सिंह, डॉ. अंजू नायक, डॉ. अंकुर खरे, डॉ. माधुरी शर्मा, डॉ.नितिन बजाज, डॉ. देवेन्द्र गुप्ता, डॉ. एस.बी. अग्रवाल, एवं डॉ. एस.एस.बघेल, सभी उप-प्रमुख अन्वेषकों की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक भव्यता प्रदान करने में श्री देवेश उपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, श्री आशीष यादव व श्री विजय चौकसे क्षेत्र सहायकों के साथ - साथ स्थानीय कृषकों व पशुपालकों का सक्रिय सहयोग एवं उपस्थिति प्रशंसनीय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)